

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 12, 1 सैमुअल 18-20

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 12, 1 शमूएल 18 है, प्रभु दाऊद के साथ था। 1 शमूएल 19 और 20, डेविड के नौ जीवन।

इस अगले पाठ में, हम बहुत सारी सामग्री को कवर करने जा रहे हैं, 1 शमूएल 18, 19, और 20। इस व्याख्यान को सुनने से पहले आप शायद अपनी बाइबिल निकालना चाहेंगे और इन अध्यायों को पढ़ना चाहेंगे ताकि आप इससे परिचित हो सकें। विवरण और सामग्री, क्योंकि हम पद-दर-पद क्रम में बारीकी से आगे बढ़ने में सक्षम नहीं होंगे। मूल रूप से, इन अध्यायों में जो हो रहा है वह यह है कि शाऊल डेविड से ईर्ष्या करने जा रहा है और वह धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से उस बिंदु पर पहुंचने वाला है जहां वह अपने राजत्व और अपने वंश को बनाए रखने के प्रयास में डेविड की हत्या करना चाहता है और वास्तव में सैमुअल के खिलाफ जाना चाहता है। उसे बताया था।

लेकिन प्रभु दाऊद के साथ रहेंगे और उसे बनाए रखेंगे और वास्तव में 1 शमूएल 18 में उद्धरणों में शीर्षक दूंगा, "प्रभु दाऊद के साथ था" क्योंकि यह अध्याय में कई बार कहा गया है और यह स्पष्ट रूप से एक प्रमुख विषय है। और फिर जब हम अध्याय 19 और 20 पर आते हैं, तो मैं इसे डेविड की नौ जिंदगियों का हकदार बनाता हूं क्योंकि शाऊल बार-बार डेविड की जान लेने का प्रयास करने जा रहा है, और आप कैसे गिनते हैं इसके आधार पर आप वास्तव में नौ अलग-अलग प्रयासों के साथ आ सकते हैं। अध्याय 18 से 20 तक। इसलिए, प्रभु दाऊद के साथ है लेकिन हमने यह भी देखा है कि दाऊद कई अवसरों पर शाऊल से बच निकला है।

ईश्वर का विधान, कभी-कभी उसका प्रत्यक्ष हस्तक्षेप, डेविड को सुरक्षा प्रदान करता है। तो, आइए गोलियथ पर डेविड की महान विजय और पलिशतियों पर इज़राइल की महान विजय के बाद अध्याय 18 से शुरुआत करें। शाऊल का पुत्र जोनाथन, जैसा कि अध्याय 18 पद 1 में कहा गया है, आत्मा में दाऊद के साथ एक हो जाता है।

वहाँ एक बंधन बन गया था और जोनाथन डेविड को अपने समान प्यार करता था। और जोनाथन ने दाऊद के साथ एक वाचा बाँधी क्योंकि वह उससे प्रेम करता है और वह वास्तव में दाऊद को अपना वस्त्र देता है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह उनका राजसी वस्त्र था जो इस तथ्य का प्रतीक था कि वह राजकुमार थे, राजा के पुत्र थे और सिंहासन के अगले उत्तराधिकारी थे।

और इसलिए, यदि ऐसा है जब वह इसे दाऊद को देता है, तो जोनाथन पहचान रहा है कि दाऊद इस्राएल का राजा बनने जा रहा है। वह जानता है, मुझे यकीन है, सैमुअल ने अपने पिता के बारे में क्या कहा है। वह जानता है कि उसके परिवार में वंश नहीं चलेगा लेकिन फिर भी, वह इस तथ्य को स्वीकार करता है।

और उसे एहसास हुआ कि परमेश्वर दाऊद में और उसके माध्यम से क्या कर रहा है। और वह खुद को डेविड के साथ जोड़ लेता है। जैसा कि हमने पिछले पाठ में कहा था, हम यहां जो देख रहे हैं वह यह है कि जोनाथन शाऊल के विपरीत खड़ा है।

यदि आपको फ़ॉइल्स के बारे में हमारी चर्चा याद है तो जोनाथन एक साहित्यिक फ़ॉइल है। जोनाथन शाऊल के लिए एक विषम परिस्थिति है। शाऊल परमेश्वर के कार्यक्रम का विरोध कर रहा है।

भगवान ने कहा है, तुम्हारा वंश नहीं चलेगा। वास्तव में, मैं तुमसे सिंहासन छीनने जा रहा हूँ। परन्तु शाऊल उसका विरोध कर रहा है।

दूसरी ओर, जोनाथन वास्तविकताओं को पहचानता है और वह इज़राइल की भलाई के बारे में अधिक चिंतित है। और वह देखता है कि परमेश्वर दाऊद के साथ काम कर रहा है और इसलिए वह दाऊद के प्रति वफादार हो जाता है और उसके साथ एक वाचा बाँधता है। मुझे यकीन है कि यह एक पारस्परिक प्रकार की व्यवस्था थी जहां उन्होंने एक-दूसरे की मदद करने का वादा किया था।

कुछ लोगों ने यहां डेविड और जोनाथन के बीच किसी प्रकार का समलैंगिक संबंध देखा है। यह वास्तव में पाठ पर आधुनिक सोच का थोपना है। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे पाठ इसका समर्थन करेगा।

हिब्रू शब्द प्रेम का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जा सकता है। और आपको यह देखना होगा कि विषय कौन है और वस्तु कौन है। इस अध्याय में हर कोई डेविड से प्यार कर रहा है।

हां, जब माइकल शाऊल की बेटी डेविड से प्यार करता है, तो इसका एक रोमांटिक, शायद यौन अर्थ भी होता है। लेकिन जब इज़राइल डेविड से प्यार करता है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि वे उससे बहुत प्रभावित हैं और वे उसके प्रति वफादार हैं। और यहां डेविड के प्रति जोनाथन के प्रेम को देखा जा सकता है।

वह उसके प्रति वफादार है। वह उसके साथ वाचा बाँधता है क्योंकि वह उससे प्रेम करता है। आप देख सकते हैं कि यहां प्रेम पर जोर निष्ठा और भक्ति पर है।

और यही देखने में है। हमने अध्याय 18, पद 5 में यह भी पढ़ा कि शाऊल ने दाऊद को जिस भी मिशन पर भेजा, वह बहुत सफल रहा। और शाऊल ने उसे सेना में ऊंचा पद दिया।

और सैनिक और अधिकारी इस सब से बहुत प्रसन्न थे। जब हम अध्याय 18, श्लोक 6 पर पहुंचते हैं, तो एक प्रकार का फ्लैशबैक होता है। जब दाऊद द्वारा पलिश्ती को मारने के बाद वे लोग घर लौट रहे थे, तो हम उस समय में वापस आ गए, जब स्त्रियाँ इस्राएल के सभी नगरों से राजा शाऊल से मिलने के लिए निकलीं, हर्षित गीत गाती और नाचती हुई, डफली और वीणा के साथ .

और यहाँ वे क्या कह रहे हैं। शाऊल ने हजारों लोगों को मार डाला है। तो, एक योद्धा के रूप में शाऊल की शक्ति की पहचान है।

एक योद्धा के रूप में उसे कुछ सफलता मिली है और उसने हजारों लोगों को मार डाला है। और दाऊद, उसके लाखों लोग। अब इस बिंदु पर, डेविड ने एक बड़े आदमी, एक पलिशती को मार डाला था।

लेकिन मुझे लगता है कि वे अनुमान लगा रहे हैं कि डेविड और भी कुछ करने जा रहा है। परन्तु गीत में सुझाव है कि दाऊद शाऊल से आगे निकल गया है। और दाऊद शाऊल से श्रेष्ठ योद्धा है।

वे इस तरह क्यों नहीं गाएंगे? शाऊल डर के मारे स्तब्ध हो गया। उसने स्वेच्छा से बाहर जाकर गोलियथ से लड़ने की इच्छा नहीं जताई। वह भय से स्तब्ध था।

लेकिन डेविड साथ आया और वह नहीं आया। और वह बाहर गया और पलिशती योद्धा को हरा दिया और इस्राएल को उस बहुत ही कठिन परिस्थिति से बचाया, जिसमें वे स्वयं थे। और इसलिए स्वाभाविक रूप से, लोग दाऊद को श्रेष्ठ मानेंगे।

खैर, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह शाऊल को अच्छा नहीं लगता। हमें बताया गया है कि वह बहुत क्रोधित था और इससे वह अप्रसन्न हो गया। और उन्होंने कहा कि उन्होंने डेविड को दस हजार और मुझे सिर्फ हजारों का श्रेय दिया है।

राज्य के अतिरिक्त उसे और क्या मिल सकता है? वह मुझसे गद्दी छीनने की कगार पर है। और हमें बताया गया है कि इस समय से, शाऊल ने दाऊद पर कड़ी नज़र रखी। वह बहुत-बहुत संदिग्ध हो गया है।

इसलिए, फ़िलिस्तीनों के खिलाफ़ डेविड की महान सफलता का इज़रायल में पूरी तरह से जश्न नहीं मनाया जा रहा है। शाऊल, राजा, इस बात से खुश नहीं है कि यह कैसे हो रहा है और वह ईर्ष्यालु हो गया है। फिर हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर की ओर से दुष्ट आत्मा शाऊल पर आती है।

और वह घर में भविष्यवाणी कर रहा है जबकि डेविड झूठ बोलने वाले की भूमिका निभा रहा है, जैसा कि वह आमतौर पर करता है। और शाऊल के हाथ में एक भाला है। और वह वह भाला लेता है और उसे दाऊद पर फेंकता है।

वह कहता है कि मैं डेविड को दीवार पर चिपका दूंगा। लेकिन पाठ हमें बताता है कि डेविड उससे बच निकला। डेविड ने भाले से बचाव किया।

और फिर पाठ में दो बार उल्लेख किया गया है। शायद इसका मतलब यह नहीं है कि इस अवसर पर उसने उस पर दो बार इसे फेंका। यह बस एक और भाला फेंकने की घटना की आशंका है जो कहानी में बाद में आने वाली है।

तो, डेविड भाले से बचने में सक्षम है। परन्तु यह स्पष्ट है कि शाऊल यहाँ बहुत अधिक उत्तेजित है। और जब वह इस दुष्ट आत्मा के नियंत्रण में होगा, तो वह कुछ ऐसे काम करेगा जो डेविड के संबंध में बहुत, बहुत खतरनाक हैं।

आपको आश्चर्य हो सकता है कि परमेश्वर की ओर से भेजी गई यह दुष्ट आत्मा दाऊद को मारने की कोशिश क्यों करेगी। लेकिन इस स्थिति पर भगवान का नियंत्रण है। वह जानता है कि जब शाऊल इस दुष्ट आत्मा के वश में होगा तो सफल नहीं होगा।

तो, ऐसा नहीं है कि ईश्वर विवादित है और वह दुष्ट आत्मा के माध्यम से डेविड को मारने की कोशिश कर रहा है। और फिर शाऊल, मुझे लगता है कि भगवान क्या कर रहा है, वह हर किसी को यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि शाऊल उसकी नाराजगी और उसके फैसले का पात्र है। और वह बहुत ही अनियमित, जानलेवा तरीके से व्यवहार कर रहा है।

और इसलिए, मुझे लगता है, यह हर किसी के लिए एक संकेत है कि शाऊल को भगवान का आशीर्वाद नहीं मिल रहा है। वह भगवान द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा रहा है। वह उसके विरुद्ध है जिसे ईश्वर सक्रिय कर रहा है।

इसलिए, मुझे लगता है कि भगवान यहां डेविड की रक्षा कर रहे हैं। शाऊल डर गया। क्योंकि, पद 12 में, प्रभु दाऊद के साथ था।

परन्तु वह शाऊल से दूर चला गया था। तो, वह मुख्य विषयगत कथन है जिसे हम 1 सैमुअल अध्याय 18 में देखते हैं। जब आप बाइबल पढ़ रहे हों तो इस प्रकार के कथनों को देखना महत्वपूर्ण है।

हमारे कई पाठों में, हमने ऐसे छंदों की ओर इशारा किया है जो कहानी के मुख्य विषय को समाहित करते हैं। अध्याय 17 में, जहाँ दाऊद ने कहा, प्रभु विजय दिलाएगा। जैसा कि जोनाथन ने पहले कहा था।

यही अध्याय का मुख्य विषय होगा। तो, उस प्रकार के बयानों की तलाश करें। और 18.12 उनमें से एक है।

क्योंकि यहोवा दाऊद के संग था, और शाऊल के पास से चला गया था। और लेखक अब इन अध्यायों के माध्यम से क्या करने जा रहा है, कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि सैमुअल का यह खंड डेविड के लिए माफी है। इसका मतलब यह नहीं है कि डेविड ने कुछ गलत किया है और हम उसके लिए माफी मांग रहे हैं।

यह डेविड का बचाव है। क्षमा याचना शब्द का प्रयोग ईसाई क्षमा याचना की तरह ही किया जा रहा है, जहां हम आस्था की रक्षा कर रहे हैं। और इसलिए, यह इस अर्थ में डेविड के लिए माफ़ी है कि यह दर्शाता है कि शाऊल को वास्तव में प्रभु ने अस्वीकार कर दिया है।

और इस्राएल में राजत्व के मामले में शाऊल के परिवार का कोई भविष्य नहीं है। डेविड को चुना गया है। और अध्याय दर अध्याय, यह विरोधाभास विकसित होता जा रहा है।

आपको शायद याद होगा कि बाद में, विशेष रूप से बिन्यामीनवासी दाऊद पर शाऊल के घर को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाने जा रहे हैं। और कुछ बिन्यामीनवासी अभी भी इस आशा को जीवित रखने की कोशिश कर रहे हैं कि शाऊल राजवंश हो सकता है। और इसलिए, लेखक, मूल संदर्भ में, इज़राइल के लिए यह जानना बहुत महत्वपूर्ण होगा कि चुना हुआ राजा कौन था।

लेखक अध्याय-दर-अध्याय डेविड की श्रेष्ठता का प्रदर्शन कर रहा है। यह डेविड के लिए माफ़ी है। यह प्रभु के चुने हुए व्यक्ति के रूप में डेविड का बचाव है।

और जब डेविड किताब में बाद में विफल हो जाता है, तब भी उसे भयानक पाप, व्यभिचार और हत्या करने पर इज़राइल का राजा बनाए रखा जाता है। फिर भी परमेश्वर ने उसे अलग नहीं किया और शाऊल की तरह उसे अस्वीकार नहीं किया। क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद के साथ एक वाचा बाँधी है जिसके बारे में हम 2 शमूएल 7 में पढ़ते हैं। इसलिए, दाऊद की यह क्षमायाचना यहाँ से शुरू हो रही है।

और आप इसे इस तरह के बयानों में देखते हैं। यहोवा दाऊद के साथ था परन्तु शाऊल के पास से चला गया था। इसलिये उसने दाऊद को विदा किया, और उसे एक हजार पुरूषों पर अधिकार दिया।

वह सैनिकों का नेतृत्व करता है। डेविड जो कुछ भी करता है वह सफल होता है। हम फिर से पढ़ते हैं, क्योंकि पद 14 में, प्रभु उसके साथ थे।

और शाऊल अधिकाधिक भयभीत होता जा रहा है। यह आदमी इतना सफल है, उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। पद 16, समस्त इस्राएल और यहूदा दाऊद से प्रेम करते थे क्योंकि वह उनके अभियानों में उनका नेतृत्व करता था।

और इसलिए यहां हमारे पास प्यार के उन उपयोगों में से एक है जहां ध्यान वफादारी पर अधिक है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे आवश्यक रूप से शाऊल को अस्वीकार कर रहे हैं, लेकिन वे खुद को डेविड के प्रति आकर्षित पाते हैं और वे उसका अनुसरण करना चाहते हैं। वह एक नेता हैं।

और वहां एक निष्ठा विकसित हो रही है। तो, शाऊल, यह डेविड को बाहर निकालने का उसका एक प्रयास है। कभी-कभी वह बहुत सीधा होता है, वह बस उस पर भाला फेंक देगा।

अन्य समय में, थोड़ा अधिक सूक्ष्म। उसने फैसला किया कि वह अपनी बड़ी बेटी मेरब को डेविड को देगा। दरअसल, उसने गोलियथ को मारने वाले से ऐसा करने का वादा किया था।

लेकिन जाहिर तौर पर, उन्होंने उस पर अमल नहीं किया था। लेकिन अब ऐसा लगता है। वह मेरब की पेशकश कर रहा है, दाऊद ने अतीत में जो किया उसके लिए इनाम के रूप में नहीं, बल्कि वह कहता है, मैं उसे शादी में तुम्हें दे दूंगा, केवल बहादुरी से मेरी सेवा करो और प्रभु की लड़ाई लड़ो।

आप मेरी बेटी को पा सकते हैं, लेकिन आपको प्रभु की लड़ाई लड़ना जारी रखना होगा। और शाऊल सोच रहा है, मैं उस पर हाथ नहीं उठाऊंगा। मुझे उसे भाले से मारने की जरूरत नहीं है।

पलिशतियों को ऐसा करने दो। लेकिन डेविड और हमें यह नहीं बताया गया कि वह क्या सोच रहा है, बल्कि वह कहता है, मैं कौन हूँ? और मेरा कुल या कुल क्या है कि मैं राजा का दामाद बनूँ? नहीं, नहीं, नहीं। इसलिए, उन्होंने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

हो सकता है कि आप पर भाला फेंके जाने से आपको थोड़ा संदेह हो। लेकिन किसी भी कारण से, डेविड ने कम से कम पहली बार इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इसलिए, अंततः, शाऊल ने अपनी बेटी मेरब का विवाह किसी और से कर दिया।

लेकिन शाऊल की एक और बेटी है, मीकल या मीकल, और वह डेविड से प्यार करती है। और मुझे लगता है कि यहां प्यार का एक रोमांटिक अर्थ है। और शाऊल को इसके बारे में पता चल गया।

और इसलिए, वह मन ही मन सोच रहा है, चलो इसे फिर से आजमाएँ। मैं उसे उसे सौंप दूंगा, और वह उसके लिये जाल ठहरेगी, और पलिशतियों का हाथ उसके विरुद्ध हो जाएगा। और इसलिये शाऊल ने दाऊद से कहा, तेरे पास मेरा दामाद बनने का दूसरा अवसर है।

और शाऊल ने अपने सेवकों से भी कहा, कि उस पर काम करो। उस पर मक्खन लगाओ, उस पर काम करो। दाऊद से अकेले में बात करो और कहो, सुनो, राजा तुम्हें पसंद करता है।

और उसके सेवक सब तुमसे प्रेम करते हैं। आप बहुत लोकप्रिय हैं। हर कोई आपको अपने आसपास चाहता है।

राज दरबार में हर कोई तुम्हें चाहता है। राजा के दामाद बनो। और उन्होंने ये बातें दाऊद से दोहराईं।

और दाऊद ने कहा, क्या तू समझता है, कि राजा का दामाद बनना कोई छोटी बात है? मैं केवल एक गरीब आदमी हूँ, अल्पज्ञात हूँ। निश्चित नहीं कि डेविड को यहाँ क्या मिल रहा है। शायद वह थोड़ा-थोड़ा टूटने लगा है।

और शायद यह सिर्फ कहने का एक तरीका है, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। यहाँ एक वधू मूल्य होगा जो मुझे राजा की बेटी प्राप्त करने के लिए चुकाना होगा। और मैं तो बस एक गरीब आदमी हूँ।

तो हो सकता है कि कोई सूक्ष्म संकेत हो, लेकिन अगर कीमत सही है, तो हम ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं। और शाऊल के सेवक गए, और उन्होंने दाऊद ने जो कुछ कहा, उसे बताया। और शाऊल ने कहा, अच्छा, दाऊद से कह, मुझे दुल्हन का मूल्य यही चाहिए।

यह कुछ ऐसा है जिसे आप हासिल करने में सक्षम होंगे। 100 पलिश्ती खलड़ियाँ। हमारे शत्रुओं से बदला लो।

और इसलिए, शाऊल उम्मीद कर रहा है, इससे पहले कि दाऊद 100 पलिश्तियों को मार सके, उनमें से एक उसे पकड़ लेगा। दूसरे शब्दों में, वह ऐसा करने की कोशिश में मर जाएगा। और इसलिए, यह उनकी योजना है।

मुझे उसे मारना नहीं है। मैं पलिश्तियों से ऐसा करवाऊंगा। और इसलिए, अरे, यह एकदम सही है।

हम दुल्हन की कीमत के रूप में 100 फ़िलिस्तीन चमड़ी कहेंगे। और ऐसा करने की प्रक्रिया में, संभावना है कि डेविड मर जायेगा। कोई भी योद्धा इतना अच्छा नहीं है।

तो, परिचारक डेविड को बताते हैं। और यह दिलचस्प है कि इस बिंदु पर क्या होता है। पद 26 में।

और कुछ लेखकों ने बताया है, कहानी में यह पहली बार है कि हमें डेविड के विचारों से अवगत कराया गया है। वह राजा का दामाद बनकर प्रसन्न हुआ। तो यह ऐसा है मानो डेविड सोच रहा हो, आप जानते हैं, राजा का दामाद बनना एक अच्छी बात हो सकती है।

यह दिलचस्प है कि वह यह नहीं कहता कि वह माइकल का पति बनकर प्रसन्न होगा। फोकस उस पर और उसके प्यार या उस जैसी किसी चीज़ पर नहीं है। यह शाऊल का दामाद भी नहीं कहता।

यह राजा का दामाद कहता है। और इसलिए, यह उस अस्पष्टता का एक और उदाहरण है जो डेविड के इर्द-गिर्द तैरती है। हो सकता है कि वह शाही दरबार, जो एक आकर्षक जगह है, के प्रति प्रभु का वफ़ादार सेवक होने से थोड़ा दूर झुकना शुरू कर दे।

वहां एक आकर्षण है। तुम्हें मालूम है, राजा का दामाद बनना और राजदरबार में आना अच्छी बात होगी। मुझे राजा बनने के लिए चुना गया है।

शायद यह एक अच्छा कदम है जिसे भगवान मुझे सिंहासन तक पहुंचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। तो, निर्धारित समय बीतने से पहले, दाऊद अपने आदमियों को अपने साथ बाहर ले गया, और अनुमान लगाओ कि उसने क्या किया? उसने सिर्फ 100 पलिश्तियों को नहीं मारा। उसने 200 पलिश्तियों को मार डाला, और वह उनकी खलड़ियाँ वापस ले आया।

इसलिए उन्होंने राजा के सामने पूरी संख्या गिन ली, और यह शाऊल के लिए बहुत डरावना रहा होगा क्योंकि उसे एहसास हुआ कि यह आदमी सिर्फ 100 नहीं लाया, वह 200 लाया। और

शाऊल, जैसा कि उसने वादा किया था, अपनी बेटी माइकल को डेविड को दे देता है . और फिर पद 28, यह फिर से यहाँ है।

जब शाऊल को पता चला कि प्रभु दाऊद के साथ है और उसकी बेटी मीकाएल दाऊद से प्रेम करती है, तो शाऊल और भी अधिक डर गया। और वह जीवन भर उसका शत्रु बना रहा। शाऊल, इस समय, दाऊद को एक शत्रु के रूप में देख रहा है, और वह उसके साथ वैसा ही व्यवहार करेगा।

परन्तु इस सब में यहोवा दाऊद के साथ है। और इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि शाऊल क्या प्रयास करता है, भाले से सीधा हमला, अधिक चालाकी, पलिशियों को दाऊद को मारने के लिए प्रेरित करने का प्रयास, परमेश्वर दाऊद की रक्षा करता है। वह उसे भाले से बचने की क्षमता देता है।

और वह उसे इन पलिशियों को हराने की क्षमता देता है, जो इस्राएल के कट्टर दुश्मन हैं, और उन्हें नीचे ले आते हैं और दुल्हन की कीमत वापस लाते हैं। इसलिए, शाऊल पर डेविड को खेल के मैदान से बाहर ले जाने का जुनून बढ़ता जा रहा है। और यह हमें अध्याय 19 पर लाता है।

और फिर, अध्याय 19 और 20 में, मैं इसे डेविड के नौ जीवन कहता हूँ। और यहां बहुत सारा विवरण है, इसलिए मैं डेविड को एक बार फिर मारने के शाऊल के प्रयासों का संक्षेप में वर्णन करने जा रहा हूँ। जिन्हें हम पहले ही देख चुके हैं, और फिर वे जिन्हें हम अध्याय 19 में भी देखने जा रहे हैं।

उसने अध्याय 18 में डेविड पर भाला फेंका। उसने डेविड को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, पहले उसे सैन्य सेवा के बदले में अपनी बेटी मेरव की पेशकश की, और फिर 100 फिलिस्तीनी चमड़ी के बदले में अपनी बेटी माइकल की पेशकश की। और वह पैटर्न यहां अध्याय 19 में जारी रहेगा।

शुरुआत में ही , शाऊल जोनाथन को दाऊद को मारने का आदेश देने जा रहा है। पद 1 को देखें। शाऊल ने अपने पुत्र योनातान और सभी सेवकों से दाऊद को मार डालने के लिए कहा। लेकिन जोनाथन ऐसा करने वाला नहीं है।

वह अध्याय 19, श्लोक 10 में डेविड पर फिर से भाला फेंकने जा रहा है। वह अपने गुर्गों को डेविड को गिरफ्तार करने का आदेश देने जा रहा है, वास्तव में डेविड के घर जाकर उसे गिरफ्तार करेगा, और उसे फांसी के लिए शाही महल में वापस लाएगा। वह तीन बार रामा में सैनिक भेजने जा रहा है।

अंततः डेविड डर जाता है और रामा की ओर भागता है, जहां सैमुअल है। और शाऊल दाऊद को पकड़ने के लिये सैनिकों की तीन अलग-अलग टोलियाँ भेजने वाला है। और फिर वह स्वयं जाकर दाऊद को गिरफ्तार करने का प्रयास करेगा।

और फिर अध्याय 20 में, एक बार फिर, वह जोनाथन से कहने जा रहा है, तुम्हें उसे मारने की जरूरत है। यदि आप डेविड को नहीं मारेंगे तो आप कभी राजा नहीं बन पायेंगे। इसलिए, इन अध्यायों में बार-बार, शाऊल डेविड को खेल के मैदान से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन आइए इनमें से कुछ को थोड़ा और विस्तार से देखें। अध्याय 19 की शुरुआत में, शाऊल जोनाथन और सभी सेवकों को डेविड को मारने के लिए कहता है। लेकिन, निःसंदेह, जोनाथन डेविड को पसंद करता है, और वह उसे चेतावनी देता है।

तो, वैसे, यह डेविड के लिए माफ़ी में बहुत अच्छी तरह से फिट बैठता है। इसके बारे में सोचो। यह शाऊल बनाम डेविड है।

चुना गया राजा कौन है? यहाँ तक कि शाऊल का पुत्र योनातान भी दाऊद के पक्ष में है। यह बहुत कुछ कहता है क्योंकि ऐसे कई कारण हैं कि क्यों जोनाथन को शाऊल के पक्ष में होना चाहिए। वह भविष्य का राजा हो सकता है।

लेकिन नहीं, वह समझता है कि भगवान क्या कर रहा है। और इसलिए, यह तथ्य कि जोनाथन डेविड के पक्ष में है और उसे चेतावनी देना इस माफ़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो डेविड के लिए विकसित हो रहा है। और इसलिए, उसने डेविड को चेतावनी दी और उसे आश्वासन दिया कि वह उसकी तरफ है।

और आयत 4 में, हमें बताया गया है कि योनातान ने अपने पिता शाऊल से दाऊद के बारे में अच्छा कहा था। और वह वास्तव में अपने पिता से कहता है, आप गलत कर रहे हैं। आप उसे मारने की कोशिश करके गलत कर रहे हैं।

दाऊद के कार्य तुम्हारे लाभ के लिये हैं। जब उसने पलिशती को मारा तो उसने अपनी जान हथेली पर ले ली। और यहोवा ने सारे इस्राएल को बड़ी विजय दिलाई।

आपने इसे देखा, और उस समय आप प्रसन्न हुए। आप दाऊद जैसे निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय क्यों करना चाहेंगे और उसे बिना किसी कारण के मार डालना चाहेंगे? और यह दिलचस्प है कि शाऊल कैसे प्रतिक्रिया देता है। और वह पुस्तक के इस खंड में आगे-पीछे होता रहेगा।

वह जोनाथन की बात सुनता है और फिर शपथ लेता है। प्रभु के जीवन की शपथ, दाऊद को मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा। खैर, वह उस पर वापस जाने वाला है।

जब हम इन अध्यायों से गुजरेंगे तो वह अन्य समयों पर भी इस तरह की बातें कहेंगे। और शाऊल इस मामले में बिल्कुल अप्रत्याशित है। इसलिए, जोनाथन ने डेविड को फोन किया और उसे बताया कि क्या हुआ था।

वह उसे शाऊल के पास लाता है, और सब कुछ ठीक लगता है। युद्ध छिड़ जाता है। दाऊद जाता है और पलिशतियों से लड़ता है।

वह उन पर प्रहार करता है। पलिशती भाग गये। डेविड अभी भी ये लड़ाई जीत रहे हैं।

लेकिन तभी एक दिलचस्प बात घटती है। जोनाथन ने हस्तक्षेप किया है। उसने शाऊल और डेविड को फिर से एक साथ ला दिया है।

उसने अपने पिता को शांत कर दिया है। शाऊल ने तो यह भी शपथ खाई है, कि दाऊद न मरेगा। लेकिन तभी भगवान अंदर आते हैं।

एक दुष्ट आत्मा, 19.9, जब शाऊल हाथ में भाला लिये हुए अपने घर में बैठा था, तब यहोवा की ओर से एक दुष्ट आत्मा उस पर चढ़ गई। डेविड झूठा का किरदार निभा रहे हैं। और एक बार फिर, शाऊल दाऊद को दीवार पर ठोकने की कोशिश करता है, और दाऊद उससे बच निकलता है।

यह वह दूसरा अवसर है जिसका उल्लेख अध्याय 18 में प्रोलेप्टिक रूप से किया गया था जब हम उस समय भाला फेंकने की घटना के बारे में पढ़ते हैं। और इसलिए, देखें कि यहां क्या हो रहा है? यह ऐसा है जैसे प्रभु शाऊल और दाऊद के बीच शांति कायम नहीं रहने देंगे। प्रभु हर किसी को दिखाना चाहता है कि शाऊल पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

शाऊल दुष्ट है। और शायद शाऊल, भले ही इस बात पर सहमत था कि वह डेविड को चोट नहीं पहुँचाएगा, फिर भी अंदर से वह अभी भी ईर्ष्यालु है। और जैसा कि प्रभु ने विपत्तियों की कहानी में फिरौन के साथ किया था, वह असली शाऊल को यहाँ सतह पर लाता है।

परन्तु किसी भी कारण से, प्रभु शाऊल और दाऊद के बीच इस शांति को जारी नहीं रहने देते। यह दुष्ट आत्मा जो प्रभु से आती है, शाऊल को उत्तेजित करती है। वह डेविड को फिर से मारने की कोशिश करता है।

लेकिन डेविड भाग जाता है। परन्तु शाऊल हार नहीं मानने वाला। उसने दाऊद के घर की निगरानी करने और सुबह उसे मार डालने के लिये मनुष्य भेजे।

माइकल, डेविड की पत्नी, शाऊल की बेटी, समझती है कि यहाँ क्या हो रहा है, और वह डेविड को चेतावनी देती है। वह कहती है कि तुम्हें भागना होगा। और तुम्हें यह आज रात करना होगा।

कल बहुत देर हो जायेगी. वे तुम्हें मार डालेंगे. इसलिए, माइकल ने डेविड को एक खिड़की से नीचे जाने दिया, और वह भाग गया, और वह भाग गया।

माइकल डेविड को कुछ समय के लिए खरीदना चाहता है। और इसलिए, वह एक मूर्ति लेती है। दिलचस्प बात यह है कि उसके पास एक मूर्ति है।

उसके पास एक टेराफिम है, जो संभवतः किसी प्रकार की घरेलू मूर्ति है। कुछ लोगों को लगता है कि शायद यह एक आकृति होगी जो किसी पूर्वज, किसी प्रकार की पूर्वज पूजा का प्रतिनिधित्व

करेगी। किसी भी दर पर, उसे इन घरेलू मूर्तियों में से एक मिल गई है, ठीक वैसे ही जैसे लाबान के पास थी, आप जानते हैं, याकूब के समय में।

रेचेल के पास इनमें से एक था। और यह मूर्ति, निस्संदेह, एक आकृति है, जाहिर तौर पर एक मानव-प्रकार की आकृति है। और इसलिए, वह उसे ढककर बिस्तर में रख देती है।

वह बकरी के कुछ बाल लेती है और सिर पर लगा लेती है। दूसरे शब्दों में, वह मूर्ति को डेविड जैसा बनाती है। यह धोखा है।

और इसलिए, शाऊल ने दाऊद को पकड़ने के लिए अपने आदमी भेजे, और माइकल कहता है, ठीक है, वह बीमार है। तात्पर्य यह है कि, वह बिस्तर पर है। और इसलिए, पुरुष देरी करते हैं।

वे कहते हैं, अच्छा, वह बीमार है। हम उसे उसके रोग बिस्तर से बाहर नहीं निकाल सकते। तब शाऊल ने उन मनुष्यों को लौटा दिया, और कहा, उसे उसके बिछौने पर ही मेरे पास ले आओ।

अगर वह बीमार है तो मुझे कोई परवाह नहीं है। हम उसे मारने जा रहे हैं। लेकिन जब लोग अंदर आते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि वहां एक मूर्ति है।

हमें धोखा दिया गया है। यह देरी करने की रणनीति है। तब शाऊल ने मीकाएल से कहा, तू ने मुझे क्यों धोखा दिया? और मेरे शत्रु को विदा कर दो।

ध्यान दें कि शाऊल इसे कैसे समझता है। मेरे शत्रु को दूर भेज दो ताकि वह भाग जाये। अब, माइकल को यहां अपना ट्रैक कवर करना है, इसलिए वह झूठ बोल रही है।

वैसे, हमने अध्याय 16 के साथ अपने पिछले पाठों में से एक में धोखे के बारे में बात की थी। यह उन अनुच्छेदों में से एक है जहां आपको खुद से पूछना होगा कि क्या यह धोखा वैध है या नहीं? मुझे लगता है कि यह है। वह इस तथ्य के आलोक में खुद को बचाने की कोशिश कर रही है कि वह डेविड के पक्ष में थी।

और इसलिए, वह कहती है, ठीक है, उसने कहा, मुझे दूर जाने दो। तुझे भला मैं क्यों मारूं? दूसरे शब्दों में, उसने मुझे धमकी दी। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि डेविड ने ऐसा किया।

माइकल ही वह व्यक्ति था जिसने यह सब शुरू किया और डेविड को जाने के लिए प्रोत्साहित किया। तो, मुझे लगता है कि माइकल यहाँ बहुत हताश है। उसके पिता ने उस पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

उसके पिता अप्रत्याशित हैं। वह डरती है कि वह उसके साथ क्या करेगा। और इसलिए, वह बस कहती है, उसने मुझसे यह करवाया।

उसने मुझसे ऐसा करवाया। तो, यह धोखा है। और आपको यह पता लगाना होगा कि आप इस मामले में इसका आकलन कैसे करेंगे।

यह बस एक तटस्थ प्रकार की चीज़ हो सकती है। उसने यह किया। शायद लेखक यह कहने का प्रयास नहीं कर रहा है कि यह अच्छा था या बुरा।

तो, डेविड भाग जाता है, और वह वहां जाता है जहां मैं जाना चाहता हूं। वह सैमुअल के पास जाता है। वह रामा में शमूएल भविष्यवक्ता के पास जाता है।

और वह उसे वह सब कुछ बताता है जो घटित हो रहा है। और इसलिए, सैमुअल ने डेविड को अपने साथ वहां रहने की अनुमति दी। खैर, शाऊल को खबर मिलती है।

यह बहुत, बहुत करीब, कुछ मील दूर है। यह बहुत करीब है। और इसलिए मूल रूप से शाऊल ने निर्णय लिया, हम जा रहे हैं और हम डेविड को पुनः प्राप्त करने जा रहे हैं।

देखो वह कितना दृढ़ है। और इसलिए वह सैनिकों का एक समूह भेजता है। और जैसे ही वे निकट आते हैं, भविष्यद्वक्ता भविष्यवाणी करने लगते हैं।

और परमेश्वर का आत्मा शाऊल के मनुष्यों पर उतरा, और वे भविष्यद्वक्ता करने लगे। तो, देखें कि भगवान यहां कैसे हस्तक्षेप कर रहे हैं। वह अपनी आत्मा के माध्यम से सैनिकों को भविष्यवक्ताओं में बदल देता है।

शाऊल ने इसके बारे में बताया। वह और भी आदमी भेजता है, और वे भी भविष्यवाणी करते हैं। यह उन पैनलबद्ध संरचनाओं में से एक है जिन्हें हम कभी-कभी पुराने नियम की कहानियों में देखते हैं।

यह कुछ-कुछ तीन बिली बकरियों के ग्रफ़, या तीन छोटे सूअरों की तरह है। उनके पास ये पैनलबद्ध अनुक्रम हैं। हम उन्हें कभी-कभी चुटकुलों में देखते हैं।

रब्बी, पुजारी और उपदेशक एक कमरे में जाते हैं, और क्रम में वे बातें कहते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि कहानी सच्ची नहीं है। कभी-कभी वास्तविक जीवन में चीजें क्रम में घटित होती हैं।

और यहाँ वही होता है। दूसरा समूह भविष्यवाणी करता है। शाऊल ने एक तीसरा दल भेजा, और वे भविष्यद्वक्ता करने लगे।

अंत में, वह कहते हैं, मैं स्वयं जाऊंगा। और वह रामा को गया, और पूछा, शमूएल और दाऊद कहां हैं? जैसे ही शाऊल निकट आया, उसने बताया, अनुमान लगाओ क्या? परमेश्वर की आत्मा उस पर आती है, और वह भविष्यवाणी करता हुआ चलता है, अपने कपड़े उतारता है, और पूरे दिन और रात वहीं नंगा पड़ा रहता है। और लोग यहां तक कहते हैं, क्या शाऊल भी भविष्यद्वक्ताओं में से है? इस पर घंटी बजनी चाहिए।

शाऊल के संकेत के तौर पर ऐसा पहले भी एक बार हुआ था। शुरुआत में यह उस संकेत का तीसरा चरण था जब उसे राजा चुना गया था, और शमूएल ने उसे यह साबित करने के लिए कुछ

संकेत दिए थे कि भगवान वास्तव में इसमें है, और उसने तुम्हें चुना है। और उस चिन्ह का तीसरा चरण यह था कि शाऊल कुछ भविष्यवक्ताओं से मिलेगा, और आत्मा उस पर आएगी और उसे सशक्त करेगी।

शमूएल का इरादा शाऊल के लिए पलिशियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करना था। तो, उस अवसर पर, यह एक सकारात्मक बात थी। प्रभु शाऊल पर अपना नियंत्रण और शाऊल को अपने साधन के रूप में और इस्राएल के लिए अपने उद्धारकर्ता के रूप में उपयोग करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे थे।

इस विशेष मामले में, परिस्थितियाँ बदल गई हैं। वह शाऊल पर अपनी आत्मा भेज रहा है, नए राजा डेविड की रक्षा के लिए शाऊल को भविष्यवक्ता बना रहा है। और इसलिए, शाऊल वहाँ शमूएल की उपस्थिति में है।

इससे थोड़ा सा मुद्दा पैदा होता है क्योंकि पहले हमें बताया गया था कि सैमुअल ने शाऊल को फिर कभी नहीं देखा। लेकिन वह यहाँ है। शाऊल उसकी उपस्थिति में है।

और विद्वानों ने यह पता लगाने की कोशिश की है कि, हम उन ग्रंथों में कैसे सामंजस्य स्थापित करें? मुझे लगता है कि पिछला अनुच्छेद इस बारे में बात कर रहा है कि सैमुअल ने शाऊल के साथ कभी कोई पहल नहीं की और उसे कभी भी आकर उससे बात करने के लिए नहीं बुलाया। दूसरे शब्दों में, रिश्ता खत्म हो गया था। जहाँ तक शमूएल का सवाल है, आधिकारिक भविष्यवक्ता-राजा संबंध खत्म हो चुका था।

ये थोड़ा अलग है। शाऊल ने डेविड को वापस लाने के लिए वहाँ आने का फैसला किया, और प्रभु शाऊल के पास आए और डेविड की रक्षा की। और यह दोनों के बीच सैमुअल द्वारा शुरू की गई आधिकारिक मुठभेड़ नहीं है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि उन अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट विरोधाभास के लिए यह सबसे अच्छा स्पष्टीकरण है। शाऊल दृढ़ है। अध्याय 20 में, दाऊद रामा में नायोथ से भाग जाता है और जोनाथन के पास जाता है।

वह जानता है कि जोनाथन उसके पक्ष में है, और वह कहता है, मैंने क्या किया है? मेरा अपराध क्या है? मैंने तुम्हारे पिता के साथ क्या अन्याय किया है जो वह मुझे मारने की कोशिश कर रहे हैं? मुझे लगता है कि जोनाथन को शुरू में यकीन नहीं था कि यह मामला है। वह कुछ चीजों से अनभिज्ञ है जो चल रही हैं। लेकिन जोनाथन शाही दरबार में डेविड का जासूस बनने के लिए सहमत हो गया।

और जोनाथन यह निर्धारित करने का प्रयास करने जा रहा है कि क्या शाऊल वास्तव में डेविड को मारने पर तुला हुआ है। और इसलिए, डेविड और जोनाथन ने एक तरह से यहाँ एक प्रणाली स्थापित की जहाँ जोनाथन अपने पिता का परीक्षण करने जा रहा है। और जब डेविड भोजन के लिए उपस्थित नहीं होता है, तो वह बस यह देखना चाहता है कि उसके पिता क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

और उसने वादा किया कि वह डेविड को बता देगा कि क्या होने वाला है। इस बीच, जोनाथन और डेविड एक-दूसरे के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि करते हैं। और इस प्रकार, पद 12 में योनातान दाऊद से कहता है, मैं इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की शपथ खाता हूँ, कि परसों इसी समय तक मैं अपने पिता को निश्चय सुना दूंगा।

यदि उसका रुख आपके प्रति अनुकूल है, तो क्या मैं आपको संदेश नहीं भेजूंगा और आपको नहीं बताऊंगा? परन्तु यदि मेरा पिता तुम्हें हानि पहुंचाना चाहे, तो यहोवा योनातान से चाहे वह अत्यन्त कठोर ही क्यों न हो। यदि वह इसके प्रति वफादार नहीं है तो वह स्वयं को श्राप देता है। यदि मैं तुम्हें न बताऊँ और कुशल से विदा न करूँ, तो यहोवा तुम्हारे साथ वैसे ही रहे जैसे वह मेरे पिता के साथ रहा।

परन्तु जब तक मैं जीवित रहूँ, तब तक मुझ पर प्रभु की कृपा की नाई अमोघ कृपा करना, ऐसा न हो कि मैं मारा जाऊँ। और मेरे परिवार से अपनी दयालुता कभी कम मत करना। तब भी नहीं जब यहोवा ने दाऊद के सब शत्रुओं को पृथ्वी पर से नाश कर दिया हो।

जोनाथन जानता है कि डेविड की नियति क्या है। और वह मूल रूप से डेविड के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि कर रहा है और वह डेविड से भी यही मांग रहा है। और वह कह रहा है, कृपया भविष्य में मेरे परिवार के लिए चिंता दिखाएं।

जब प्रभु तुम्हारे सब शत्रुओं को काट डालेगा, तब मेरे परिवार को शत्रु मत समझना। और इसलिए, पद 16 में, योनातान ने दाऊद के घराने के साथ यह कहते हुए वाचा बाँधी, कि यहोवा दाऊद के शत्रुओं से लेखा ले। और योनातान ने दाऊद से अपने प्रेम के कारण अपनी शपथ दोहराई, क्योंकि वह उस से वैसा ही प्रेम करता था जैसा वह अपने आप से प्रेम करता था।

तो, जोनाथन फ़ॉइल फिर से, शाऊल डेविड को मारने की कोशिश कर रहा है। जोनाथन उसके प्रति वफादार है। यह इस बात का पक्का प्रमाण है कि प्रभु दाऊद के पक्ष में है।

यहां तक कि जोनाथन भी दिल और आत्मा से उसके साथ है। और इसलिए, जोनाथन एक प्रणाली लेकर आता है जिसके तहत वह डेविड को संकेत देगा। जोनाथन बाहर जाकर अपने धनुष और तीर के साथ लक्ष्य का कुछ अभ्यास करने जा रहा है।

और वह अपने साथ एक नौकर को वहाँ ले जाने वाला है। और वह कहता है कि मैं किनारे पर तीन तीर चलाऊंगा जैसे कि मैं किसी लक्ष्य पर तीर चला रहा हूँ। और फिर मैं एक लड़के को भेजूंगा और कहूंगा, जाओ तीर दूँटो।

अगर मैं उससे कहूँ, हम अब श्लोक 21 में हैं, देखो, तीर तुम्हारे इस तरफ हैं, उन्हें यहां लाओ। तो फिर आओ, क्योंकि प्रभु के जीवन की शपथ, तुम सुरक्षित हो। कोई खतरा नहीं है।

परन्तु यदि मैं लड़के से कहूँ, देख, तीर तेरे पार हैं, तो तुझे जाना होगा, क्योंकि यहोवा ने तुझे विदा किया है। और जिस विषय पर तुम और मैं ने चर्चा की है, उस विषय में स्मरण रखो, कि प्रभु तुम्हारे और मेरे बीच में साक्षी है। इसलिए, वे इस सिग्नल को खराब कर देते हैं।

संक्षेप में यह है कि जोनाथन को पता चलता है कि शाऊल वास्तव में डेविड को मारने पर तुला हुआ है। डेविड एक दिन नहीं आता है और शाऊल इस बारे में कुछ भी नहीं सोचता है। लेकिन जब वह दूसरे दिन भी नहीं आया, तो जोनाथन ने कहा, ठीक है, डेविड अपने परिवार से मिलने गया है।

और पद 30 में शाऊल का क्रोध भड़क उठा। वह जोनाथन पर क्रोधित हुआ। और वह कहता है, हे दुष्ट और विद्रोही स्त्री के बेटे।

वह अपने ही बेटे का अपमान करता है। क्या मैं नहीं जानता, कि तू ने यिशै के पुत्र का पक्ष लेकर अपनी और अपनी माता की लज्जा का कारण जो तुझे जन्म दिया है? जब तक यिशै का पुत्र इस पृथ्वी पर जीवित रहेगा, तब तक तू और तेरा राज्य स्थिर न होगा।

अब उसे मेरे पास लाने के लिये किसी को भेजो, क्योंकि उसे मरना ही है। तो, मुझे लगता है, शाऊल सोच रहा है, जोनाथन मेरे सोचने के तरीके के अनुरूप होगा। वह कभी राजा नहीं बनेगा।

निश्चय ही, वह राजा बनना चाहता है। जब तक दाऊद जीवित है, वह कभी राजा नहीं बनेगा। लेकिन जोनाथन इस तरह नहीं सोचता, जैसा कि हम जानते हैं।

उसे मौत की सज़ा क्यों दी जानी चाहिए? जोनाथन ने अपने पिता से पूछा, उसने क्या किया है? लेकिन शाऊल एक भाला लेता है और कहानी में दूसरी बार जोनाथन को मारने की कोशिश करता है। उसने डेविड को दो बार भाले से मारने की कोशिश की है।

वह यहां जोनाथन को भाले से मारने की कोशिश करता है। उसने पहले कहा कि उसे मारने की कोशिश की? मूर्खतापूर्ण शपथ, याद है? जोनाथन ने अनजाने में इसका उल्लंघन किया था। और याद रखें शाऊल उस शपथ को तोड़ने के लिए जोनाथन को फाँसी देने के लिए तैयार था।

लेकिन सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और जोनाथन को बचा लिया। तो यहाँ शाऊल अपने ही बेटे को मारने की कोशिश कर रहा है। जोनाथन भयंकर क्रोध में उठ खड़ा होता है।

और वह अपने पिता द्वारा दाऊद के प्रति किये गये लज्जास्पद व्यवहार से दुःखी हुआ। वह अपने दोस्त डेविड के लिए शर्मिंदा है कि उसके अपने पिता उसे मारने की कोशिश करेंगे। इसलिए, जोनाथन मैदान में जाता है जैसा कि उन्होंने व्यवस्था की थी।

और वह बहुत आगे तक तीर चलाता है। अब मुझे पहले जो आभास हुआ वह यह था कि जब डेविड छिपा होता है, तो वह यह सब देख रहा होता है। जब उसने जोनाथन को यह कहते हुए सुना कि तीर परे हैं, तो वह समझ गया कि यह एक संकेत है और वह उड़ान भरेगा।

लेकिन यह इस तरह काम नहीं करता. उन्हें आखिरी बार गले लगाना होगा। वे इतने करीब हैं.

और लड़के के चले जाने के बाद दाऊद पत्थर की दक्खिनी ओर से उठा, और भूमि तक मुंह करके योनातन को तीन बार दण्डवत् किया। आयत 41. तब उन्होंने एक दूसरे को चूमा और एक साथ रोये।

परन्तु दाऊद सबसे अधिक रोया। और योनातन ने दाऊद से कहा, कुशल से चला जा। क्योंकि हम ने प्रभु के नाम पर एक दूसरे से मित्रता की शपथ खाई है।

कह रहा है, यहोवा तेरे और मेरे बीच में, और तेरे वंश और मेरे वंश के बीच सदैव साक्षी रहेगा। तब दाऊद चला गया और योनातन नगर को लौट गया। तो, हम वहीं रुकेंगे।

लेकिन इन अध्यायों में हम जो देखते हैं वह यह है कि क्या ईश्वरीय विधान या प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से, ईश्वर अपने चुने हुए सेवकों को उन लोगों से बचाने में सक्षम है जो उन्हें नष्ट करना चाहते हैं। और वह शाऊल के दृष्टिकोण से, भविष्य के राजा, सभी लोगों में से, जोनाथन को डेविड की रक्षा करने में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उपयोग करता है। और हम देखते हैं, इसे थोड़ा और खोलने के लिए, भगवान अपने चुने हुए सेवकों को परेशानी और खतरे से नहीं बचाते हैं।

उसने दाऊद को राजा बनने के लिए चुना है। डेविड सोच रहे होंगे, वाह, अगर प्रभु द्वारा आपको चुने जाने पर ऐसा होता है, तो मैं इस बारे में इतना निश्चित नहीं हूँ। लेकिन भगवान अपने चुने हुए सेवकों को परेशानी और खतरे से नहीं बचाता है, बल्कि अंततः उनकी रक्षा करता है।

और भगवान की योजना और उसके चुने हुए सेवक के प्रति प्रतिबद्धता के लिए आत्म-त्याग की आवश्यकता होती है और कभी-कभी यह किसी को नुकसान पहुंचाता है। और यह हम जोनाथन में देखते हैं। योनातन ने स्वयं को प्रभु के चुने हुए सेवक दाऊद के प्रति समर्पित कर दिया है।

और कुछ आत्म-अस्वीकार है जो यहाँ चलन में आता है। और वह अपनी जान जोखिम में डालता है। उसके पिता ने उस पर भाला फेंका।

और इसलिए, वह हमारे लिए चुने हुए सेवक, पूंजी एस, नए डेविड, आदर्श डेविड, प्रभु यीशु मसीह के प्रति वफादार रहने का एक अच्छा मॉडल है। हम अपने अगले पाठ में अध्याय 21 की कहानी जारी रखेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 12, 1 शमूएल 18 है, प्रभु दाऊद के साथ था। 1 शमूएल 19 और 20, डेविड के नौ जीवन।